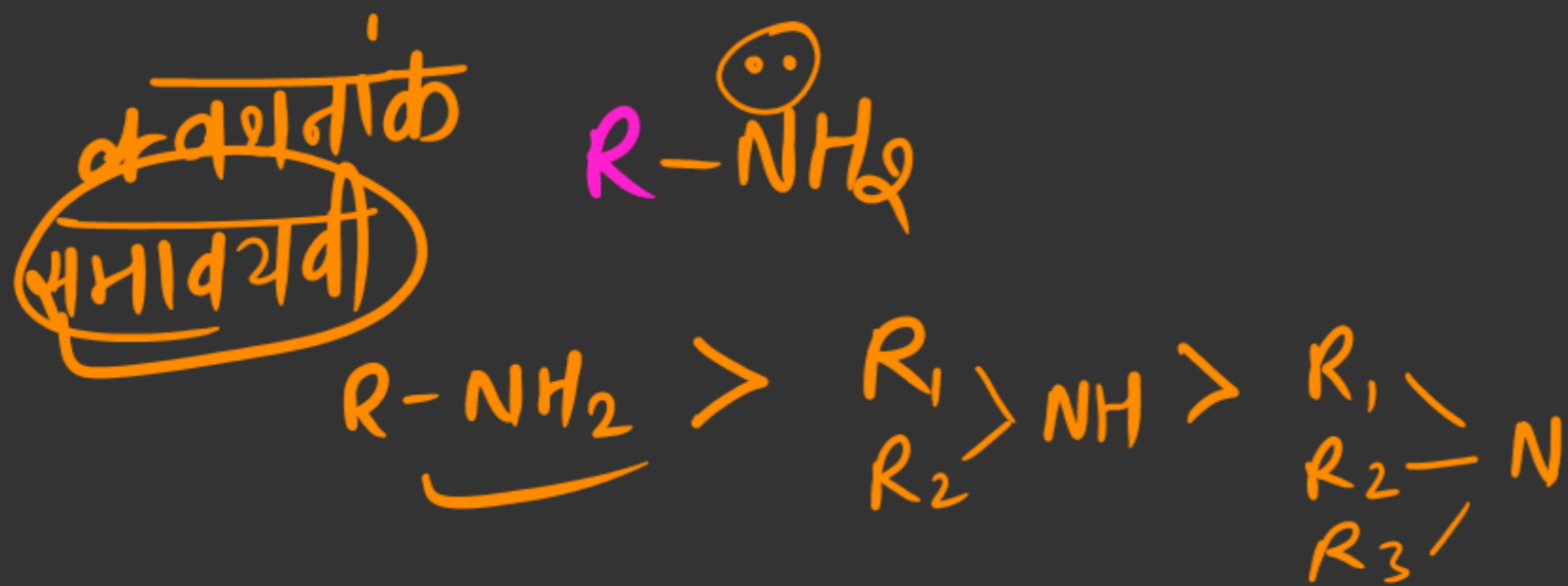
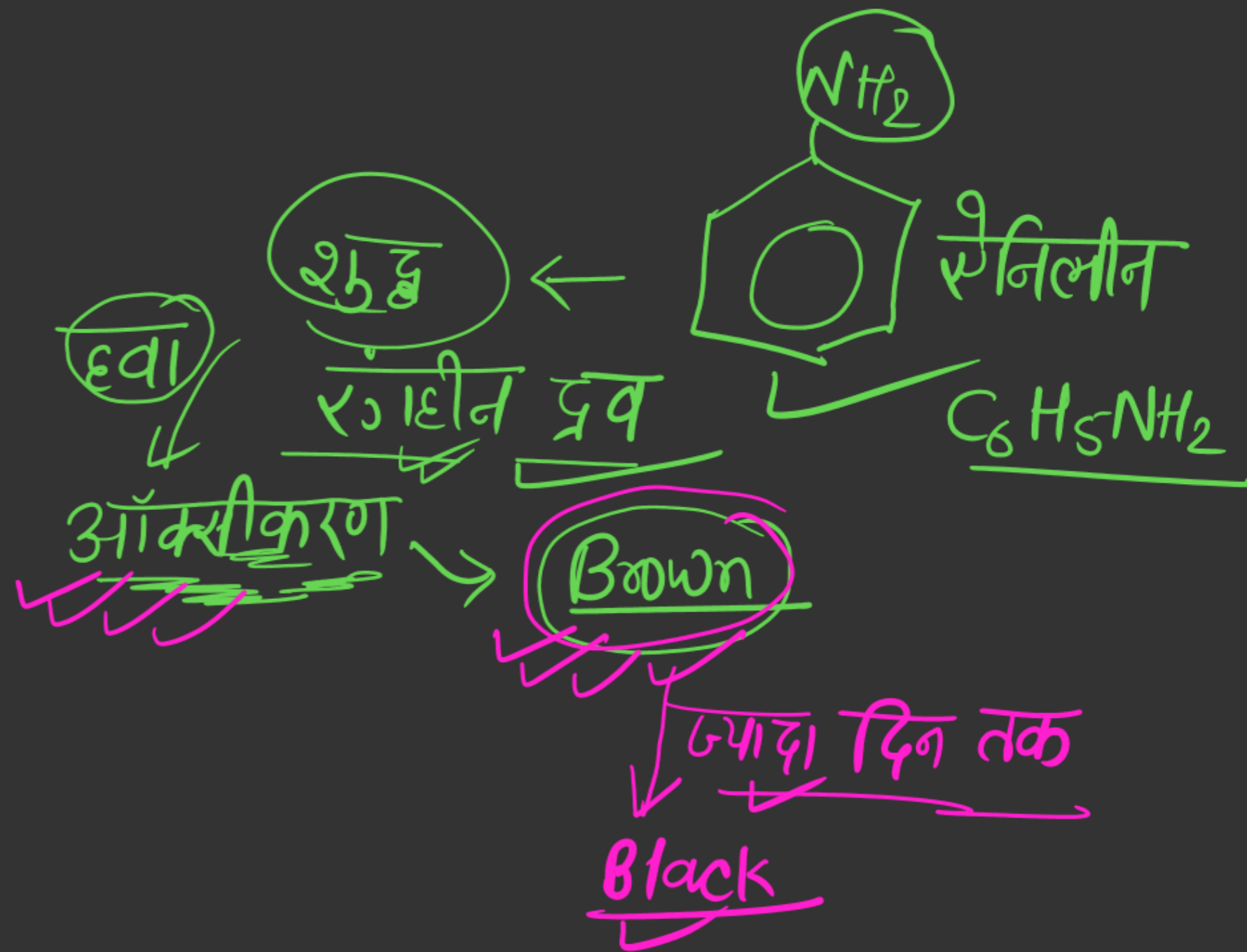


\* रेमीन का भौतिक गुण

रेमीन

\* भौतिक अवस्था  $\approx$  प्रारंभिक ऐलिफैटिक रेमीन जैसीच अवस्था में होते हैं  
 निम्न क्वथनांक वाले द्रव होते हैं

\* सड़ी मछली जैसा गंध

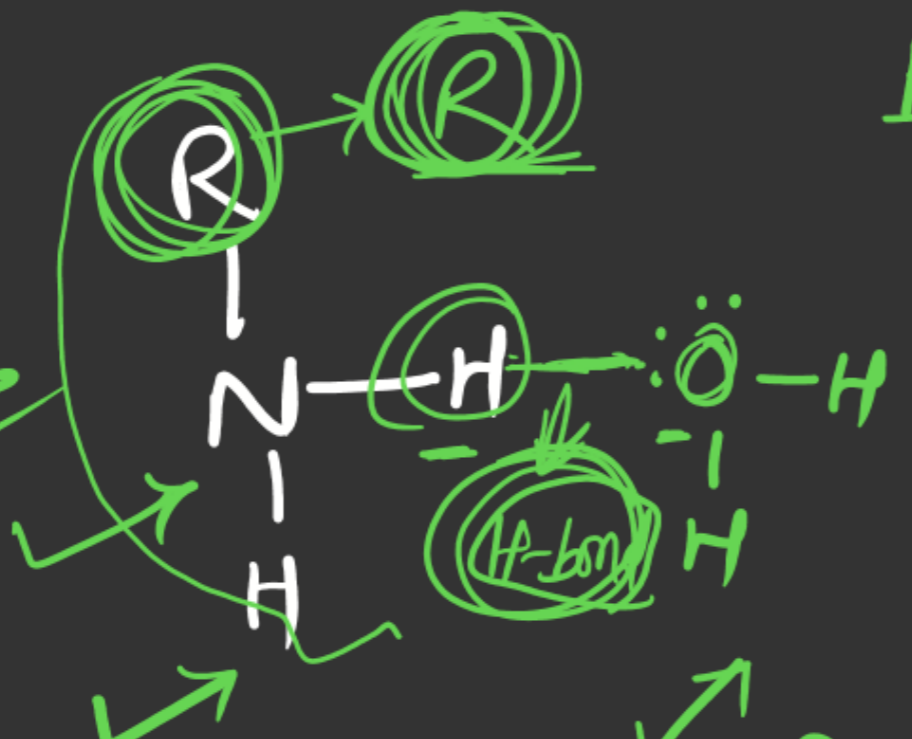


\* विलेयता यह जल में विलेय होता है ?

H-bond

Hydrogen

Bond



- (a) HF ✓
- (b) HCl
- (c) H2O
- (d) NH3

\* R-कटने से जल में विलेयता घटती है जल विरगी

# \* रासायनिक गुण

# मासिक गुण →



# Amine >



Alcohol

Ether

H<sub>2</sub>O

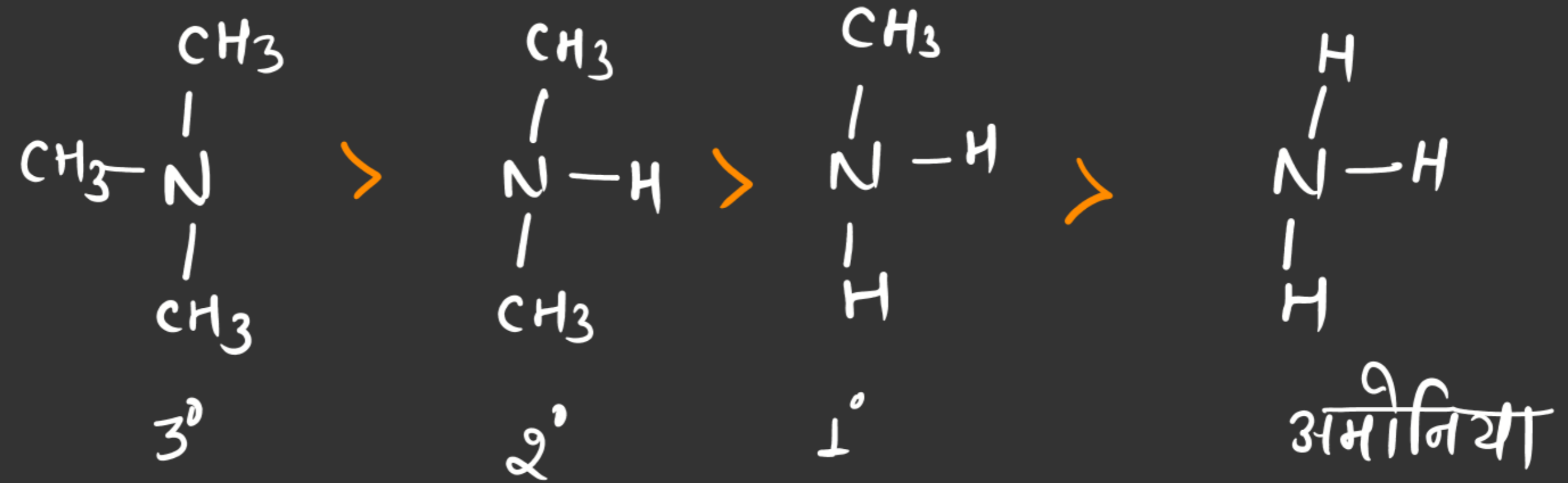


पुष्प  
अक-म

माल लिटमस पत्र  
↓  
नीला  
←  
मरुम

$F$   $O$   $N$   
↓ ↓  
उपलब्ध कम  
↓  
इ. पुष्प करने की  
क्षमता अधिक

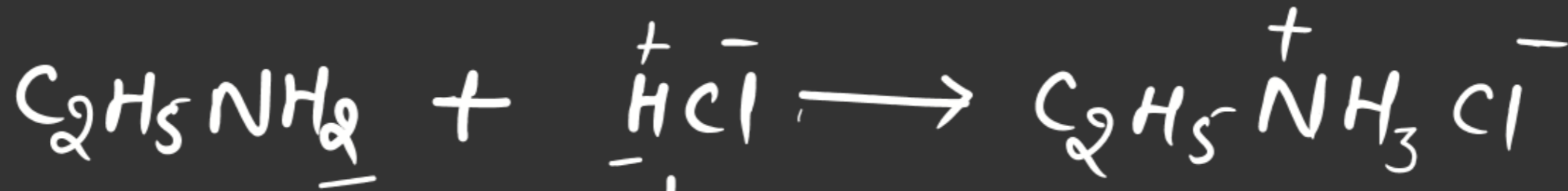
जैसीय अवस्था में ऐल्किल समूह के +I प्रभाव



#

लवण निर्माण

#



↓  
मा०

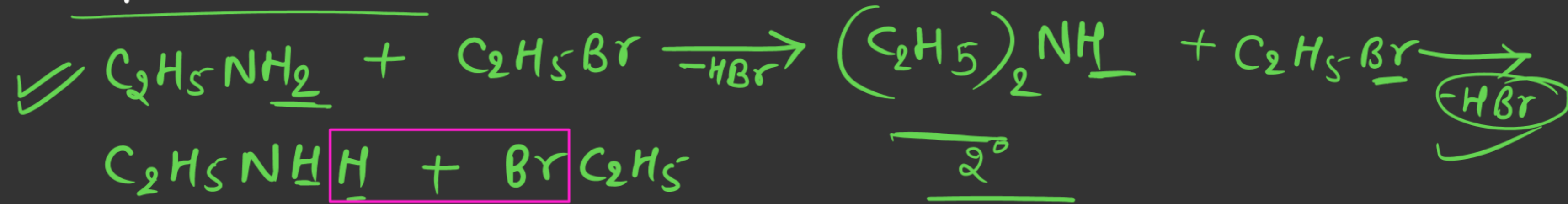
↓  
अ०

एथिल अमोनियम क्लोराइड

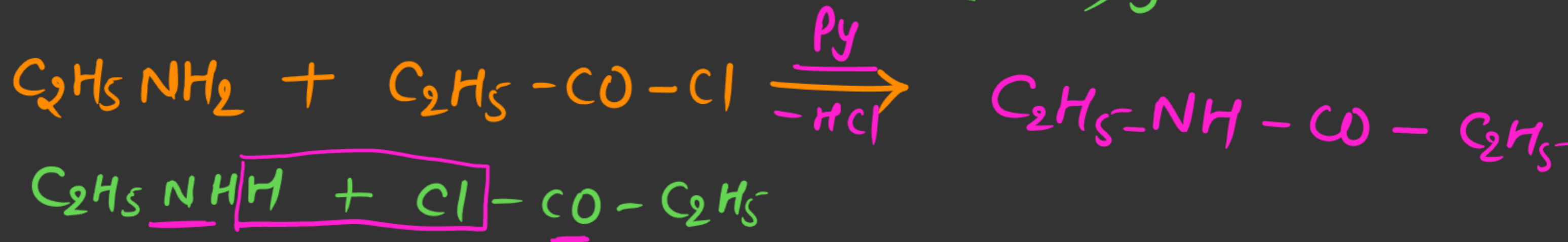


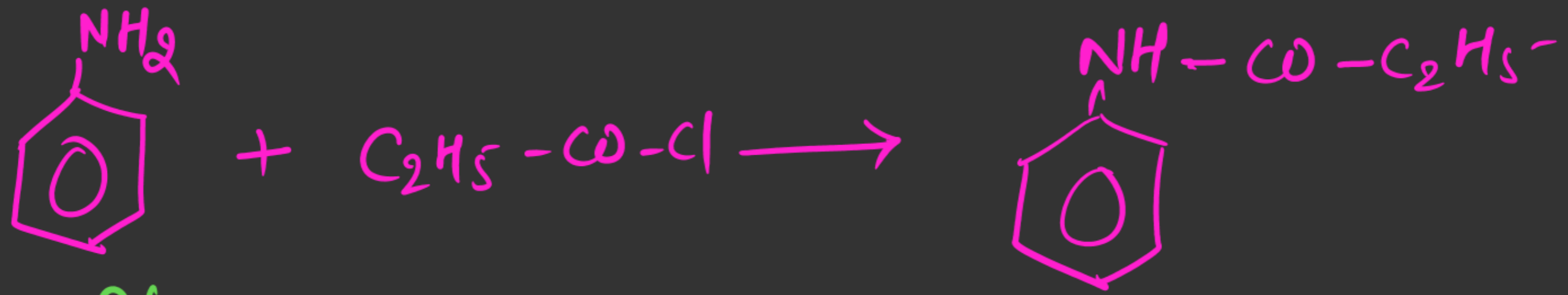
एनिलीन हाइड्रोजन सल्फेट

## # ऐल्किलीकरण



## # एसिड क्लोराइड के साथ





# कार्बिल

**लवण निर्माण** - ऐलिफैटिक ऐमीन तथा ऐरोमैटिक ऐमिन के भास्मिक प्रकृति के कारण ये खनिज अम्लो से अभिक्रिया कर लवण बनाते है।



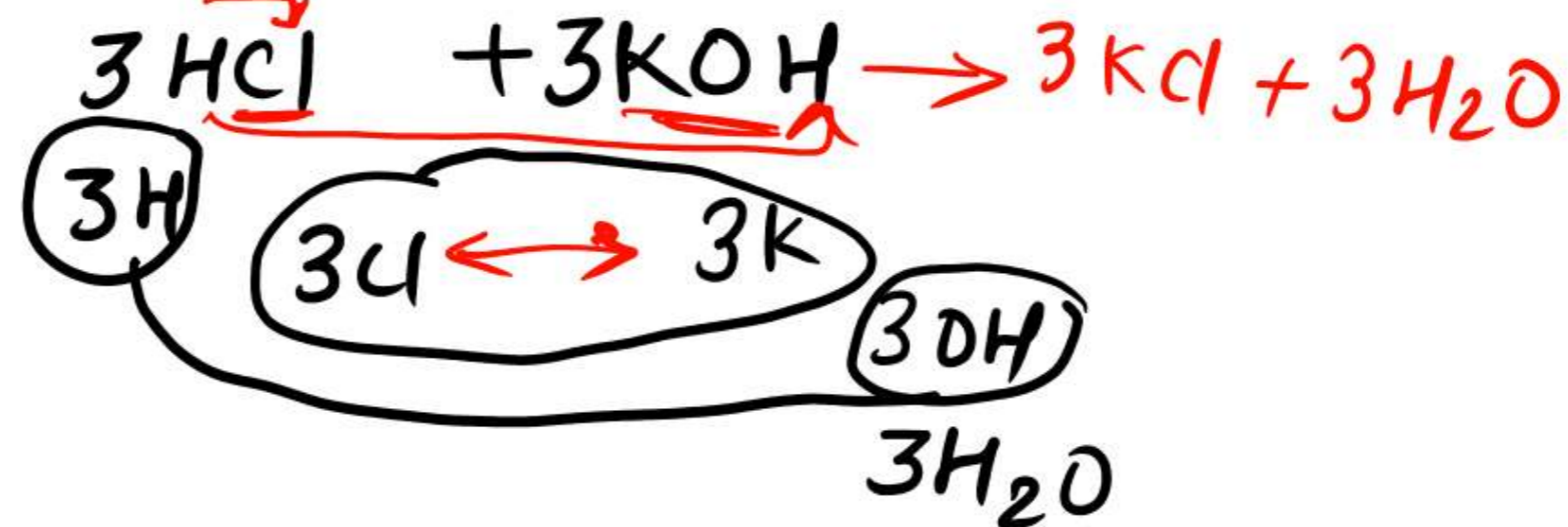
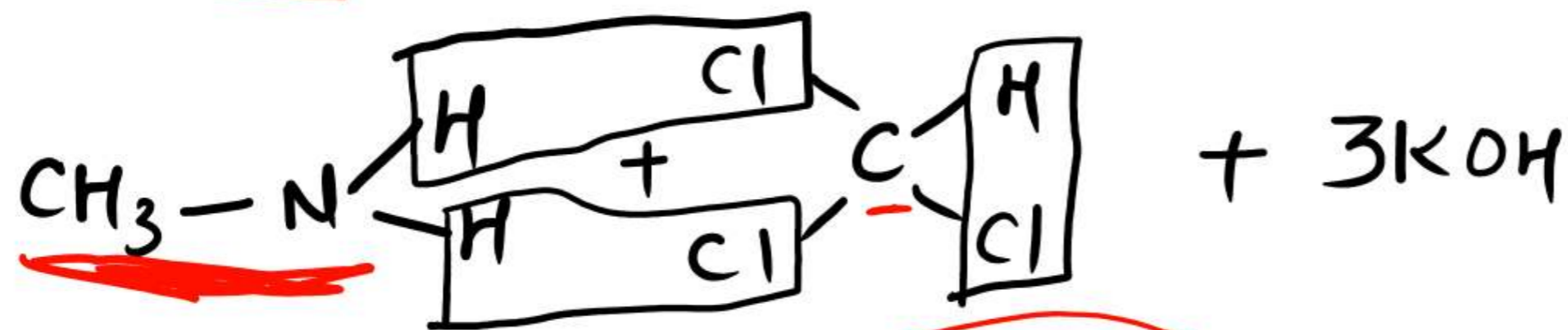
**ऐल्किलीकरण** - ऐल्किलऐमीन ऐल्किल हैलाइड से अभिक्रिया कर डाइ-ऐल्किलऐमीन, ट्राइऐल्किलऐमीन तथा टेट्राऐल्किलअमोनियम हैलाइड बनाता है।

**एसिड क्लोराइड से अभिक्रिया-** प्राइमरी और सेकेंडरी ऐमीन एसिड क्लोराइड या एसिड ऐन्हाइड्राइड से अभिक्रिया करके प्रतिस्थापित ऐमाइड बनाते है।

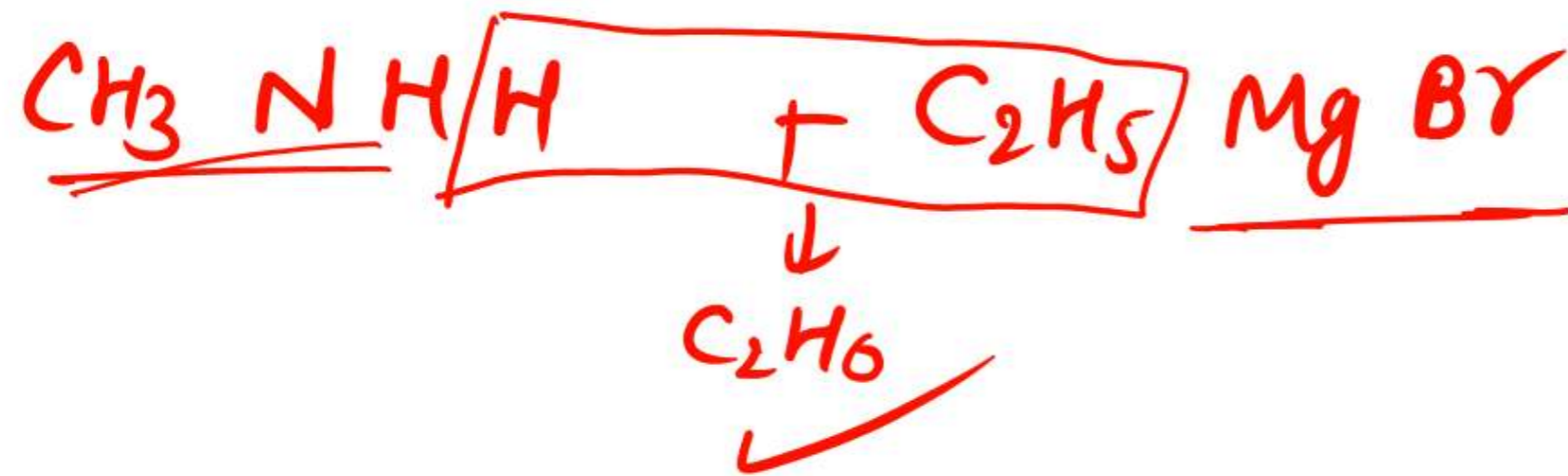
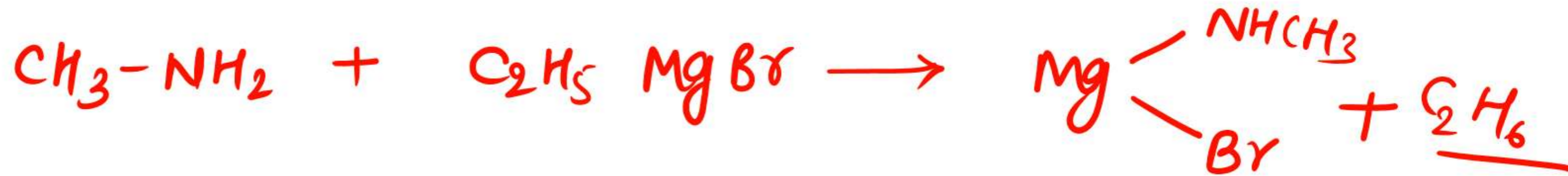
# Chapter-13

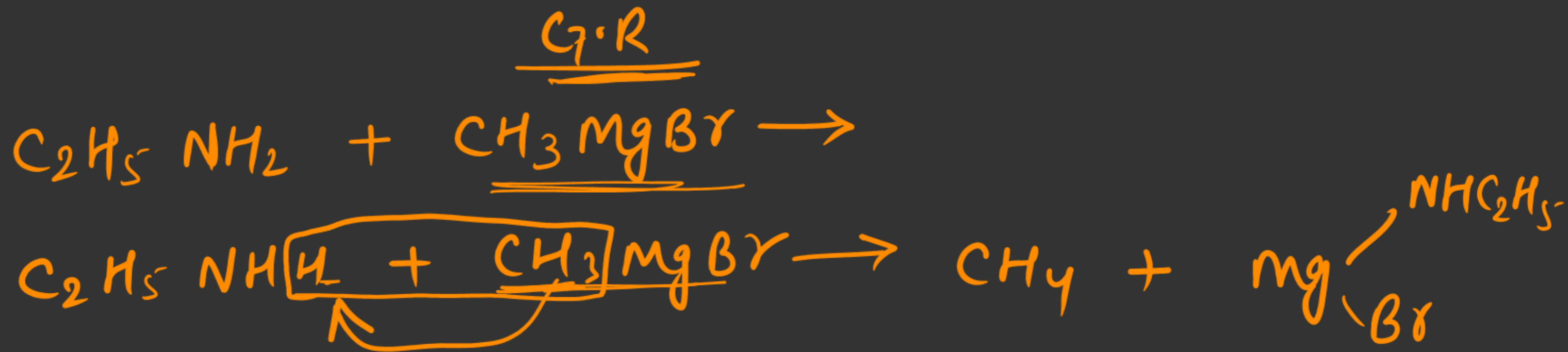
# ऐमीन

कार्बिलऐमीन अभिक्रिया- प्राइमरी ऐमीन को क्लोरोफॉर्म और ऐल्कोहॉल में बने पोटैशियम हाइड्रॉक्साइड के विलयन के साथ गर्म करने पर कार्बिलऐमीन बनता है।



**ग्रिगार्ड अभिक्रिया**- प्राइमरी और सेकेंडरी ऐमीन ग्रिगार्ड अभिकर्मक से अभिक्रिया करके हाइड्रोकार्बन बनाते है।

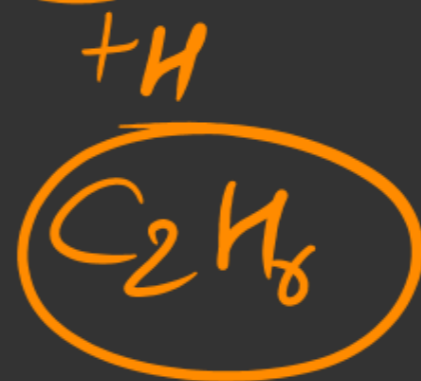




Ques  $\frac{0}{0}$

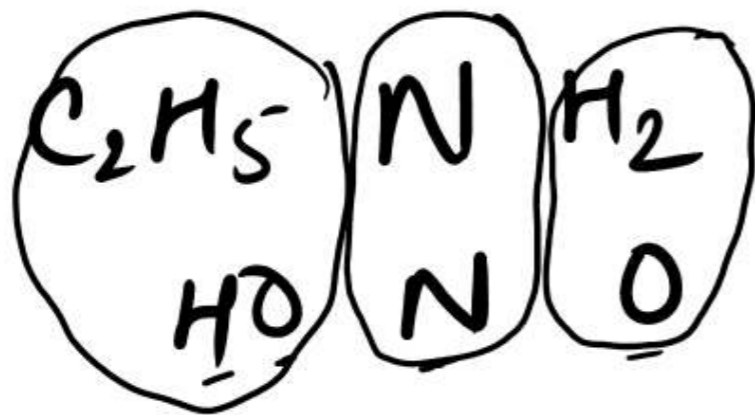
$\text{C}_3\text{H}_7\text{NH}_2$  की सहायता  $\text{C}_2\text{H}_5\text{MgBr}$

- (a)  $\text{CH}_4$
- ~~(b)  $\text{C}_2\text{H}_6$  ✓~~
- (c)  $\text{C}_3\text{H}_8$  ✗
- (d) NOT

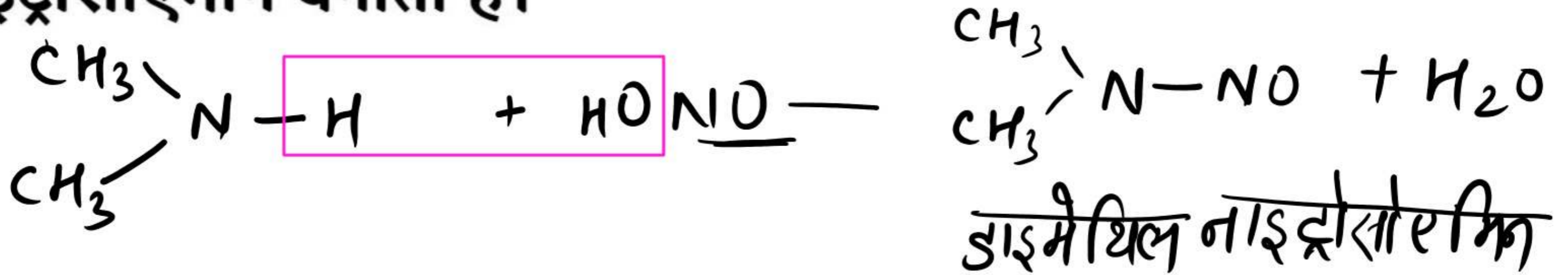


नाइट्रस अम्ल के साथ अभिक्रिया - नाइट्रस अम्ल के साथ ऐमीन की अभिक्रिया इस बात पर निर्भर करती है कि ऐमीन प्राइमरी, सेकेंडरी या टर्शियरी है।

प्राइमरी ऐमीन के साथ- नाइट्रस अम्ल के साथ प्राइमरी ऐमीन की अभिक्रिया कराने पर प्राइमरी ऐल्कोहॉल बनाता है और नाइट्रोजन गैस मुक्त होती है।



**सेकेंडरी ऐमीन के साथ-** नाइट्रस अम्ल के साथ प्राइमरी ऐमीन की अभिक्रिया कराने नाइट्रोसोऐमीन बनाता है।



लिखमाणं नाइट्रोसो अभि.